CITY LIVE
ment पत्रिकाPLUS.16 Bhopal . Thursday .15/06/2017

अब नीरज संवारेंगे राष्ट्रपति भवन का मुगल गार्डन

भोपाल ● सांची विश्वविद्यालय के बागबान नीरज सिंह राजपूत अब राष्ट्रपति भवन के मुगल गार्डन को संवारेंगे। 19 मार्च को राष्ट्रपति भवन में लिखित परीक्षा एवं 11 अप्रैल को स्किल, कार्य कुशलता परीक्षा और इंटरव्यू दिया था। नीरज के मुताबिक जिस दिन उनका इंटरव्यू हो रहा था, उस दिन से लेकर अगले दस दिनों तक प्रतिदिन 250 अभ्यार्थी विभिन्न पदों के लिए स्किल परीक्षा और इंटरव्यू दे रहे थे।

उन्होंने सांची विश्वविद्यालय में फल-फूल और सब्जियों पर काम किया और सीखा गया काम उनके काफी काम आया। विवि में सहायक निदेशक उद्यानिकी कृपाल सिंह वर्मा के निर्देशन में उन्होंने बागवानी की बारीकियां सीखीं। विवि बारला स्थित अकादमिक परिसर में मौसमी फूलों, सजावटी फूलों, ऑर्गेनिक सब्जियों, फलों पर काफी काम किया है। नीरज सिंह ने बताया कि स्किल टेस्ट के दौरान उन्होंने मुगल गार्डन में ही कौशल की परीक्षा दी थी। उनका कहना था कि ग्राफटिंग, कटिंग, बडिंग और जैविक खेती इत्यादि की गहरी जानकारी उनके काफी काम आई।

नवदुनिया
भोपाल, गुरुवार 15 जून 2017

अब मुगल गार्डन संवारेंगे सांची विवि के बागवान नीरज

भोपाल। नवदुनिया रिपोर्टर

सांची विश्वविद्यालय के बागबान नीरज सिंह राजपूत अब राष्ट्रपति भवन के मुगल गॉर्डन को संवारेंगे। नीरज माली के पद पर चुने गए हैं। नीरज ने 19 मार्च 2017 को राष्ट्रपति भवन में लिखित परीक्षा और 11 अप्रैल को स्किल परीक्षा और इंटरव्यू दिया था। 10 दिनों तक प्रतिदिन 250 अभ्यार्थी ने विभिन्न पदों के लिए स्किल परीक्षा और इंटरव्यू दिए। उन्होंने सांची विवि में फल-फूल और सब्जियों पर काम किया। सहायक निदेशक (उद्यानिकी) कृपाल सिंह वर्मा के निर्देशन में उन्होंने बागवानी की बारीकियां सीखीं जो चयन प्रक्रिया में उपयोगी साबित हुईं। विवि के परिसर में उन्होंने मौसमी फूलों, सजावटी फूलों, ऑर्गेनिक सब्जियों, फलों पर काफी काम किया है। नीरज सिंह ने बताया कि स्किल टेस्ट के दौरान उन्होंने मुगल गार्डन में ही कौशल की परीक्षा दी थी। उनका कहना था कि ग्राफटिंग, कटिंग, बडिंग, जैविक खेती इत्यादि की गहरी जानकारी काफी काम आई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. याजनेश्वर शास्त्री और कुलसचिव राजेश गुप्ता सहित सभी ने शुभकामनाएं दी।

नीरज सिंह राजपूत

दैनिक भास्कर भोपाल, बुधवार 31 मई, 2017 | 5

सांची विवि : संस्कृत कोर्स में प्रवेश लेने वालों को छात्रवृत्ति

भोपाल| सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि संस्कृत के मास्टर डिग्री कोर्स में एडमिशन के लिए आवेदन करने वाले पांच मेधावी छात्रों को 5 हजार रुपए प्रतिमाह की स्कॉलरशिप देगा। यह स्कॉलरशिप इंडिक अकादमी द्वारा प्रायोजित है। साथ ही पीएचडी कोर्स के लिए हर शोधार्थी को 14 हजार प्रतिमाह तय की गई हुई है।

patrika.com
पत्रिका . भोपाल . बुधवार . 31.05.2017

सीएम हाउस में बुध्द पूर्णिमा महोत्सव...

गूंजे बुध्दम्, शरणम्, गच्छामि के स्वर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मुख्यमंत्री निवास पर मंगलवार को बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में बौद्ध अनुयायियों सहित विभिन्न धर्मों के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में बौद्ध भिक्षुओं द्वारा प्रदेश में शांति और समृद्धि के लिए बुद्ध वाणी का वाचन किया गया, और बुद्धम्, शरणम्, गच्छामि की स्वरलहरियां गूंज उठी।

इस बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव में मुंबई, नागपुर, ग्वालियर, रायपुर सहित अन्य शहरों के बौद्ध भिक्षुओं ने भी भाग लिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उनकी पत्नी साधना सिंह ने बौद्ध भिक्षुओं को चिवर दान कर स्वागत सत्कार किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बुद्ध की पवित्र वाणी ही विश्व शांति का मार्ग स्थापित कर सकती है। उनके आर्य सत्य और अष्टांग मार्ग मानव समाज के कल्याण की कुंजी है। यह अद्भूत दर्शन है, जिसकी पूरे विश्व को आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि सांची बौद्ध विवि के माध्यम से बौद्ध दर्शन को आम लोगों तक पहुंचाने की लिए पहल की गई है। बुद्ध सिर्फ एशिया के नही बल्कि विश्व के प्रकाश है। इस मौके पर बौद्ध भिक्षु भंते शाक्यपुत्र सागर, सिख समाज से ज्ञानी दिलीप सिंह, फादर आनंद मुटुंगल, विधायक चैतराम मानेकर, विधायक राजेंद्र मेश्राम, श्रीलंका केंद्र सांची के चंद्ररत्ने थेरो आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

पांच हजार की छात्रवृत्ति देगा सांची विवि

भोपाल. संस्कृत भाषा में छात्रों की रुचि बढ़ाने के लिए सांची विवि में एमए संस्कृत के 5 मेधावी छात्रों को 5 हजार रुपए माह की छात्रवृत्ति देगा। विवि द्वारा इंडिक अकादमी के सहयोग से इसकी शुरुआत की जा रही है। विवि द्वारा संस्कृत संभाषण एवं लेखन में सर्टिफिकेट कोर्स भी शुरू किया जा रहा है। संस्कृत से एमए के लिए 12 जून तक ऑनलाइन आवेदन तथा 25 जून को प्रवेश परीक्षा होगी। छात्र एमए संस्कृत के साथ चीनी भाषा और संस्कृत संभाषण एवं लेखन में सर्टिफिकेट कोर्स भी कर सकेंगे।

दैनिक जागरण
15 जून, 2017

सांची विश्वविद्यालय के बागवान अब संवारेंगे राष्ट्रपति भवन के बाग

नीरज सिंह राजपूत का राष्ट्रपति भवन में हुआ चयन

● जागरण सिटी रिपोर्टर ●

सांची विश्वविद्यालय के बागबान नीरज सिंह राजपूत अब राष्ट्रपति भवन के मुगल गॉर्डन को संवारेंगे। नीरज राष्ट्रपति भवन में माली के पद पर चुने गए हैं। नीरज सिंह राजपूत ने 19 मार्च 2017 को राष्ट्रपति भवन में लिखित परीक्षा एवं 11 अप्रैल को स्किल(कार्यकुशलता) परीक्षा और इंटरव्यू दिया था। नीरज के मुताबिक जिस दिन उनका इंटरव्यू हो रहा था उस दिन से लेकर अगले दस दिनों तक प्रतिदिन 250 अभ्यार्थी विभिन्न पदों के लिए स्किल परीक्षा और इंटरव्यू दे रहे थे। यह प्रक्रिया 10 दिनों तक चली थी। नीरज सिंह के मुताबिक सांची विश्वविद्यालय में फल-फूल और सब्जियों पर काम किया और सीखा गया काम उनके काफी काम आया। सांची विश्वविद्यालय में संहायक निदेशक (उद्यानिकी) कृपाल सिंह वर्मा के निर्देशन में उन्होंने बागवानी की बारीकियां सीखीं जो लिखित परीक्षा, कार्यकुशलता परीक्षा और इंटरव्यू में उपयोगी साबित हुईं। सांचीं विश्वविद्यालय के बारला स्थित अकादमिक परिसर में उन्होंने मौसमी फूलों, सजावटी फूलों,. ऑर्गेनिक सब्जियों, फलों पर काफी काम किया है। नीरज सिंह ने बताया कि स्किल टेस्ट के दौरान उन्होंने मुगल गार्डन में ही कौशल की परीक्षा दी थी। उनका कहना था कि ग्राफटिंग, कटिंग, बडिंग, जैविक खेती इत्यादि की गहरी जानकारी उनके काफी काम आई। सांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. याजनेश्वर शास्त्री और कुलसचिव राजेश गुप्ता ने नीरज को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रपति भवन का मुगल गार्डन 15 एकड़ में फैला हुआ है जिसका डिजाइन 1917 में सर एडविन ल्युटियंस ने तैयार की थी और इसे 1928-29 में तैयार कर लिया गया था। मुगल गार्डन को उनकी पत्नी स्वर्ग की संज्ञा देती थीं। तब से आज तक मुगल गार्डन दुनिया भर के उद्यानिकी विशेषज्ञों और टूरिस्टों को अपनी ओर आकर्षित करता रहा है। इस गार्डन में गुलाब की 159 और पेड़ों की 50 वेरायटी पाई जाती हैं।

राज एक्सप्रेस
www.rajexpress.in
गुरुवार, 15 जून, 2017
भोपाल

सांची विवि के बागवान नीरज संवारेंगे मुगल गार्डन

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

सांची विश्वविद्यालय के बागवान नीरज सिंह राजपूत अब राष्ट्रपति भवन के मुगल गॉर्डन को संवारेंगे। नीरज राष्ट्रपति भवन में माली के पद पर चयनित हुए हैं। नीरज सिंह राजपूत ने 19 मार्च 2017 को राष्ट्रपति भवन में लिखित परीक्षा एवं 11 अप्रैल को कार्यकुशलता परीक्षा और इंटरव्यू दिया था।

15 एकड़ में मुगल गार्डन

राष्ट्रपति भवन का मुगल गार्डन 15 एकड़ में फैला हुआ है जिसका डिजाइन 1917 में सर एडविन ल्युटियंस ने तैयार की थी और इसे 1928-29 में तैयार कर लिया गया था। मुगल गार्डन को उनकी पत्नी स्वर्ग की संज्ञा देती थीं। तब से आज तक मुगल गार्डन दुनिया भर के उद्यानिकी विशेषज्ञों और टूरिस्टों को अपनी ओर आकर्षित करता रहा है। इस गार्डन में गुलाब की 159 और पेड़ों की 50 वेरायटी पाई जाती हैं।

सांची विवि में बागवानी की सीखीं बारीकियां

नीरज सिंह ने बताया कि सांची विश्वविद्यालय में फल-फूल और सब्जियों पर काम किया और सीखा गया काम उनके काफी काम आया। सांची विश्वविद्यालय में सहायक निदेशक उद्यानिकी कृपाल सिंह वर्मा के निर्देशन में उन्होंने बागवानी की बारीकियां सीखीं जो लिखित, कार्यकुशलता परीक्षा और इंटरव्यू में उपयोगी साबित हुई। सांची विश्वविद्यालय के बारला स्थित अकादमिक परिसर में उन्होंने मौसमी, सजावटी फूलों, ऑर्गेनिक सब्जियों, फलों पर काफी काम किया है। नीरज को ग्राफटिंग, कटिंग, बडिंग, जैविक खेती इत्यादि की गहरी जानकारी है। सांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर याजनेश्वर शास्त्री और कुलसचिव राजेश गुप्ता ने नीरज को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

---

2 प्रदेश टुडे
भोपाल, बुधवार, 31 मई 2017

5 छात्रों को स्कॉलरशिप देगा सांची विवि

भोपाल। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि संस्कृत के मास्टर डिग्री कोर्स में एडमिशन के लिए आवेदन करने वाले 5 मेधावी छात्रों को 5 हजार रुपए प्रतिमाह स्कॉलरशिप देगा। स्कॉलरशिप इंडिक अकादमी द्वारा प्रायोजित है। पीएचडी कोर्स के लिए हर शोधार्थी को 14 हजार प्रतिमाह तय की गई हुई है।

patrika.com
पत्रिका . भोपाल . गुरुवार . 01.06.2017

नया विषय

सांची विवि में पढ़ाई जाएगी चीन की भाषा मंदारिन

पत्रिका सोशल प्राइड

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मध्यप्रदेश में हिंदी-चीनी भाई-भाई के बीच भाषा की मिठास घुलेगी। अब सांची विवि में संस्कृत के साथ चीन की भाषा मंदारिन सिखाई जाएगी। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि इस साल से मंदारिन सिखाने के लिए नए कोर्स शुरू कर रहा है। यह कोर्स एक वर्ष से लेकर दो वर्ष तक के होंगे। इसके लिए ऑनलाइन प्रवेश होने लगे हैं। चीनी भाषा के लिए 25 सीट रखी गई हैं। इनमें से विदेशी और एनआरआई को भी सीट रिजर्व की जाएंगी। पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद योग्य छात्रों को चीन सरकार स्कॉलरशिप भी देगी। संगीत, खिलौना, इलेक्ट्रॉनिक, मोबाइल आदि कंपनियां भारतीय बाजार में पैर जमा चुकी हैं।

देश में पांच जगह होती है पढ़ाई

चीनी भाषा की भारत में अभी मात्र पांच जगह पढ़ाई कराई जा रही है। इनमें जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, मुंबई विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद विश्वविद्यालय, लखनऊ विश्वविद्यालय शामिल हैं।

चीनी-संस्कृत की एक साथ होगी पढ़ाई

चीनी भाषा के साथ एमए संस्कृत और संस्कृत संभाषण एवं लेखन में सर्टिफिकेट कोर्स भी कराएगा। विवि इसके लिए स्नातकोत्तर, सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स शुरू कर रहा है। स्नातकोत्तर कोर्स दो साल के लिए होगा, इसके लिए 25 सीट रहेंगी। डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स एक-एक साल के होंगे। इसके लिए 25 और 30 सीट रहेंगी। विदेशी और एनआरआई विद्यार्थियों को चीनी भाषा के कोर्स के लिए प्रवेश की लिखित परीक्षा में छूट दी जा रही है। यह विद्यार्थी सीधे साक्षात्कार में शामिल होकर प्रवेश ले सकेंगे।

संकेतात्मक भाषा

चीनी एकाक्षर प्रधान भाषा है। उसके एक बार में बोले जाने वाले शब्द में एक या एक से अधिक वर्ण या अक्षर हो सकते हैं। हिंदी या अंग्रेजी भाषाओं की तरह चीनी ध्वन्यात्मक भाषा नहीं है। इसमें एक-एक शब्द या भाव के लिए अलग-अलग संकेतात्मक आकृतियां बनाई जाती हैं। इस भाषा में लिखा जानेवाला वर्ण या अक्षर अपने आप में पूर्ण होता है।

कॅरियर की संभावनाएं

चीनी पर्यटकों के लिए टूरिस्ट गाइडों की मांग बनी रहती है। चीन के पर्यटक गया, सांची और सिक्किम को अपना बड़ा तीर्थ मानते हैं। इससे चीनी भाषा का ज्ञान रोजगार दिला सकता है। भारत के साथ चीन का संबंध राजनीतिक दृष्टिकोण से हमेशा तनावग्रस्त रहता है। चीनी भाषा में अनुवादक के रूप में भी कॅरियर बनाया जा सकता है।

सांची विश्वविद्यालय द्वारा चीनी भाषा में नए कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। विवि चीनी भाषा के साथ संस्कृत की पढ़ाई भी कराएगा।

विजय दुबे, जनसम्पर्क शाखा, सांची विवि भोपाल

नवदुनिया
भोपाल, शुक्रवार 02 जून 2017

एजुकेशन — पहले 25 सीटों के लिए आते थे छह आवेदन, अब पांच गुना बढ़ गए, इंस्टीट्यूट डिजाइन कर रहे नए कोर्स

योग, नेचुरोपैथी में कॅरियर खोजने वालों की संख्या बढ़ी

भोपाल। नवदुनिया रिपोर्टर

योग एंड नेचुरोपैथी में डिग्री और डिप्लोमा प्रोग्राम करके इस फील्ड में कॅरियर बनाने वालों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। पिछले सालों की तुलना में यह कोर्स करने वालों की संख्या में पांच गुना इजाफा हुआ है। इसी वजह से कई सरकारी और प्राइवेट इंस्टीट्यूट भी इस फील्ड में अलग-अलग कोर्सेज डिजाइन कर रहे हैं। योग एंड नेचुरोपैथी फील्ड में विभिन्न कोर्स में प्रवेश पहले ओपन बेसिस पर किया जाता था, लेकिन अब इसमें एप्लाई करने वाले प्रोग्राम की सीट्स के अनुसार ही होते हैं। पिछले कुछ सालों से सीट्स से पांच गुना एप्लीकेशन इन प्रोग्राम के लिए इंस्टीट्यूट्स को मिलती है। ऐसे में प्रोग्राम के लिए स्टूडेंट्स का सिलेक्शन डिफरेंट प्रोसेज के जरिए होता है। सांची बौद्ध विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए एंट्रेंस एग्जाम लिया जाता है। वहीं माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि और अटल बिहारी हिंदी विव में मेरिट लिस्ट के अनुसार चयन किया जाता है।

सांची बौद्ध विवि के प्रो. उपेंद्र बाबू खत्री कहते हैं, योग एंड नेचुरोपैथी में युवाओं का रुझान तेजी से बढ़ा है। दूसरी तरफ हर गली-मोहल्ले में योग सेंटर खुल गए हैं। यही वजह है कि यह कोर्स विभिन्न विश्वविद्यालयों की ओर से संचालित किए जा रहे हैं। सांची विवि पहला ऐसा विवि है जो योग के साथ चाइनिज लैंग्वेज का सार्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स कराता है। यहां योग की सीटें 25 हैं। पिछले साल इंट्रेस एक्जाम में 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें से 11 का चयन किया गया। वहीं हिंदी विवि में भी25 सीटें हैं। 2012 में योग कोर्स शुरू किया तब स्टूडेंट्स की संख्या 6 थी। अब सारी सीटें फुल हैं।

सीसीआरवाईएन में होगी प्रैक्टिस

सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन योग एंड नेचुरोपैथी (सीसीआरवाईएन) की ओर से हाल ही में नेचुरोपैथी प्रोग्राम में डिग्री करने वालों का रजिस्ट्रेशन शुरू हुआ है। आयुष विभाग के अंडर में काम कर रही इस काउंसिल की ओर से जल्द ही डिप्लोमा प्रोग्राम होल्डर के रजिस्ट्रेशन की शुरुआत की जाने की बात कही जा रही है। इसके प्रोसेस के तहत नेचुरोपैथी का कोर्स कर चुके स्टूडेंट्स अपनी प्रैक्टिस की शुरुआत कर सकेंगे। इससे इन कोर्सेज को करने वालों के लिए कॅरियर की संभावना भी बढ़ेगी।

कॅरियर ही नहीं सेहत के लिए भी कर रहे कोर्स

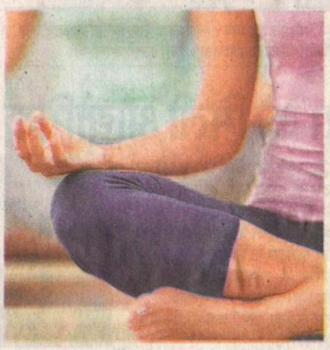

योग एंड नेचुरोपैथी एक्सपर्ट्स राजीव जैन त्रिलोक का कहना है कि पहले जहां इस कोर्स को करने वालों में उन लोगों की संख्या होती थी, जो इस फील्ड में करियर बनाना चाहते है। लेकिन अब इस कोर्स को कई लोग सेल्फ फिटनेस को ध्यान में रखते हुए कर रहे हैं। ऐसे में कोर्सेज के दौरान सिखाई जाने वाली क्रियाएं और प्रैक्टिस को वह अपना रूटीन बना लेते हैं। सेल्फ फिटनेस के लिए कोर्स कर रहे युवाओं के साथ 40 एज ग्रुप के लोग भी शामिल हैं।

पत्रिका
पत्रिका . भोपाल, शनिवार. 27.05.2017

सांची विश्वविद्यालय में बैगा और गोंड सिखाएंगे भारतीय चित्रकला

पत्रिका एक्स-क्लूसिव

बृजेश कुमार तिवारी
patrika.com

भोपाल. अब आदिवासी सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के अतिथि विद्वान बनेंगे। विवि इस साल भारतीय चित्रकला में नया कोर्स शुरू कर रहा है। इसमें भारतीय पुरातन और आदिवासी चित्रकला की पढ़ाई होगी। आदिवासी चित्रकला सिखाने के लिए बैगा और गोंड जनजाति के जानकार लोगों को विवि में अतिथि विद्वान के तौर पर बुलाया जाएगा।

मध्य भारत में पहला

भारतीय चित्रकला का यह कोर्स मध्य भारत में पहली बार शुरू होगा। इस कोर्स से राजस्थान, मप्र, गुजरात और छग के विद्यार्थियों को ज्यादा फायदा मिलेगा। यह कोर्स अभी भारत में मात्र पांच स्थानों पर संचालित किया जा रहा है। बनारस, दिल्ली, चेन्नई, कोलकाता, लखनऊ और बेंगलूरु में भारतीय चित्रकला सिखाई जा रही है।

इस तरह होगा अलग

कोर्स में इसमें अजन्ता, बाघ, हड़प्पा कालीन चित्रकला, भीमबेटका, रोपड़, अमरावती, मोहनजोदड़ो, कालीबंगा, आदिवासी चित्रकला, गोदना चित्रकला शामिल हैं। इसके साथ मुकल चित्रकला, दक्कन चित्रकला, जैन चित्रकला, पाल चित्रकला, अपभ्रंश चित्रकला, पहाड़ी चित्रकला, मेवाड़ की चित्रकला के साथ अन्य भारतीय चित्रकलाएं सिखाई जाएंगी।

भारतीय चित्रकला में कोर्स शुरू किया जा रहा है। यह सेंट्रल इंडिया में पहला कोर्स है। प्रागैतिहासिक और आदिवासी चित्रकला को विशेष रूप से शामिल किया गया है। - **प्रो. ज्ञानेश्वर एस शास्त्री**, कुलपति, सांची विवि

विदेशी विद्यार्थियों को छूट

विश्वविद्यालय द्वारा विदेशी और एनआरआई विद्यार्थियों को चित्रकला के लिए प्रवेश की लिखित परीक्षा में छूट दी जा रही है। यह विद्यार्थी सीधे प्रवेश ले सकेंगे। यह दो वर्ष का पीजी कोर्स होगा। इसमें 25 विद्यार्थियों के लिए सीट निर्धारित की गई है। कोर्स के लिए लगभग 18000 की फीस तय की गई है।

रायसेन

दैनिक भास्कर
भोपाल, बुधवार 31 मई, 2017

संस्कृत से एमए करने पर मिलेगी 5 हजार की स्कॉलरशिप

12 जून तक ऑनलाइन करना होगा आवेदन, 25 जून को होगी प्रवेश परीक्षा

भास्कर संवाददाता | रायसेन

देवभाषा संस्कृत पढ़ने में रुचि रखने वालों के लिए अच्छी खबर है। सांची बौद्ध विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत विषय में एमए कराया जा रहा है। इस विषय से एमए करने वाले पांच मेधावी छात्रों को इंडिम अकादमी द्वारा 5 हजार रुपए महीने की छात्रवृत्ति दी जाएगी। इच्छुक छात्र एमए संस्कृत के साथ चीनी भाषा और संस्कृत संभाषण एवं लेखन में सर्टिफिकेट कोर्स का भी लाभ ले सकते हैं।

सांची विवि मध्य भारत में पहली बार इंडियन पेंटिंग्स में पीएचडी और मास्टर ऑफ फाइन आर्ट का कोर्स भी प्रारंभ कर रहा है। विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए छात्र 12 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस विषय के लिए 25 जून को प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके अलावा छात्र योग, योग एवं समग्र स्वास्थ्य, आयुर्वेद, वैदिक अध्ययन, भारतीय दर्शन, बौद्ध अध्ययन, हिंदी एवं अंग्रेजी में कोर्सेस का फायदा उठा सकते हैं। पीएचडी और पीजी स्तर के कोर्सेस में प्रवेश के लिए आवेदक छात्रों को लिखित परीक्षा में सम्मिलित होना होगा। पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रत्येक शोधार्थी को 14 हजार रुपए प्रतिमाह, एमफिल के शोधार्थी को 8000 रुपए प्रतिमाह की स्कॉलरशिप दी जाएगी।

16 नवदुनिया
भोपाल, बुधवार 31 मई 2017

सांची विवि से संस्कृत में एमए करने पर मिलेगी स्कॉलरशिप

विश्वविद्यालय में एडमिशन बढाने प्रबंधन कर रहा नई पहल

12 जून तक होंगे ऑनलाइन आवेदन, 25 को प्रवेश परीक्षा

रायसेन। नवदुनिया प्रतिनिधि

आपकी देवभाषा संस्कृत पढ़ने में रुचि है? क्या आप संस्कृत में उच्चकोटि का शोध करना चाहते हैं? प्राचीन ग्रंथों में छिपे ज्ञान को दुनिया के सामने लाने की ललक है? अगर इन सवालों का उत्तर हां है तो सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की ओर से जबरदस्त ऑफर है।

सांची विवि से एमए संस्कृत करने वाले पांच मेधावी छात्रों को इंडिक अकादमी द्वारा 5 हजार रूपए प्रतिमाह छात्रवृत्ति दी जाएगी। प्रदेश सरकार के विशेष अधिनियम से गठित सांची विश्वविद्यालय में इसके अलावा छात्र योग, योग एवं समग्र स्वास्थ्य, आयुर्वेद, वैदिक अध्ययन, भारतीय दर्शन, बौद्ध अध्ययन, हिंदी एवं अंग्रेजी में कोर्सेस का फायदा उठा सकते हैं। पी.एच.डी और पी.जी. स्तर के कोर्सेस में प्रवेश के लिए आवेदक छात्रों को लिखित परीक्षा में सम्मिलित होना होगा। यह परीक्षा आगामी 25 जून को आयोजित की जाएगी। पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रत्येक शोधार्थी को 14 हजार रूपए प्रतिमाह, एम.फिल के शोधार्थी को प्रतिमाह 8 हजार रूपए की स्कॉलरशिप तथा पी.जी पाठ्यक्रम में वरीयता सूची के प्रथम तीन छात्रों को भी विश्वविद्यालय से छात्रवृत्ति दी जाएगी।

सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्सेस के लिए लिखित परीक्षा नहीं होगी एवं आवेदकों को साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सांची बौद्ध–भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2012 में वैश्वविक विषयों को संबोधित करने तथा संपूर्ण विश्व के शिक्षाविदों, दार्शनिकों, शोधार्थियों एवं विषय विशेषज्ञों को एकजुट करने के उद्देश्य से की गई है।

संस्कृत संभाषण एवं लेखन में सर्टिफिकेट कोर्स होगा शुरू

छात्र एमए संस्कृत के साथ चीनी भाषा और संस्कृत संभाषण एवं लेखन में सर्टिफिकेट कोर्स का भी लाभ ले सकते हैं। सांची विश्वविद्यालय मध्य भारत में पहली बार इंडियन पेंटिंग्स में पीएचडी और मास्टर ऑफ फाइन आर्ट (एमएफए) का कोर्स भी प्रारंभ कर रहा है। विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु छात्र 12 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

---

mp.patrika.com
पत्रिका . बुधवार . 31.05.2017

12 जून तक करना होगा ऑनलाइन आवेदन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सांची. आपकी देवभाषा संस्कृत पढ़ने में रुचि है? क्या आप संस्कृत में उच्चकोटि का शोध करना चाहते हैं? प्राचीन ग्रंथों में छिपे ज्ञान को दुनिया के सामने लाने की ललक है? अगर इन सवालों का उत्तर हां है, तो सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की ओर से जबरदस्त ऑफर दिया गया है। सांची विवि से एमए संस्कृत करने वाले पांच मेधावी छात्रों को इंडिक अकादमी की ओर से 5,000/ महीने की छात्रवृत्ति मिलेगी।

इच्छुक छात्र एमए संस्कृत के साथ चीनी भाषा और संस्कृत संभाषण एवं लेखन में सर्टिफिकेट कोर्स का भी लाभ ले सकते हैं। सांची विवि मध्य भारत में पहली बार इंडियन पेंटिंग्स में पीएच.डी और मास्टर ऑफ फाइन आर्ट का कोर्स भी प्रारंभ कर रहा है। विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु छात्र 12 जून तक www. sanchiuniv. edu.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

इसके अलावा छात्र योग एवं समग्र स्वास्थ्य, आयुर्वेद, वैदिक अध्ययन, भारतीय दर्शन, बौद्ध अध्ययन, हिंदी एवं अंग्रेजी में कोर्सेस का फायदा उठा सकते हैं। पीएचडी और पी.जी स्तर के कोर्सेस में प्रवेश के लिए आवेदक छात्रों को लिखित परीक्षा में सम्मिलित होना होगा। यह परीक्षा 25 जून को आयोजित की जाएगी। पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रत्येक शोधार्थी को 14,000 प्रतिमाह, एम.फिल के शोधार्थी को 8,000 प्रतिमाह की स्कॉलरशिप तथा पीजी पाठ्यक्रम में वरीयता सूची के प्रथम तीन छात्रों को भी विश्वविद्यालय से छात्रवृत्ति दी जाएगी। सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्सेस के लिए लिखित परीक्षा नहीं होगी एवं आवेदकों को साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा।